

Written by मेरी बटिया संवाददाता
Saturday, 23 June 2018 17:14

: 000000000000 00 0000000 000000 00 00 000 0000000, 0000000-0000000000 00
000000 00 0000 000 000 0000 : 00000 00000000 000000 00 0000 00 0000 00000000 00
00000 0000 0000 000000, 00000 0000 00, 00000 0000 00 : 000000 00 0000 00000000 00
00000000 00000 00 0000 0000000000 00 0000000 00 00 000000 :



0000 0000000 00000000000

0000000 : अब आप उस हालत पर कृ या बोलेंगे कर् कखास आस् थागत धार्मिककर्यक्रम धूमधाम केसाथ आयोजति तो हुआ, लेकिन ऐन वक् त
पर पूरा मामला सरभण्ड हो गया हुआ यह कर् कमंत्री जी ने लोकक्त् याण केला कववाह क आयोजन किया चूंकि इसमें सरकार के लोग
शामलि थे, इसला भारी भीड़ जुटी दूल् हे-दुलहन के सजाया, व्हारों के सहारे डोली उठायी, जयमाल हुआ, और प्रीतभोज क भी झमाझम आयोजन
हुआ

लेकिन ऐन वदिई में जब रोना-धोना शुरू हो गया तो फर कनया रोना-धोना प्रारम् भ हो गया हुआ यह कवदिई केवक् त ही दूल् हा पाण्ड डाल से
भाग नक्लि गया और दुलकी चाल में उचक्ते-उचक्ते अपनी पत् नी और मौजूद लोगों की मौजूदगी के बावजूद अपनी प्रेमकि के साथ भाग नक्लिा सरकारी
सुरक्षाकर्मियों ने दूल् हे के पकड़ने केला लपके, लेकिन इसके पहले कवे सुरक्षाकर्मी उसे दबोच सकते, दूल् हा भाग कर कनाले में घुस गया उसकी
प्रेमकि भी उसके साथ ही बतायी जाती है खबर है क इस आयोजन क नेत् व करने वाली मंत्री जी इस भागा-दौड़ी से कफे हताश है उन् हैं दूल् हे
के भागने से उतनी दक्ि क्त नहीं है, जतिनी लोकक्त् याण की दशा में हो रहे अपने प्रयासों के असफल हो जाने क



आपके बता दें क भाजपा ही असली ताक्त तो आस् था ही है न, इसला भाजपा के अधकिंश कर्यक्रम या आयोजनों क केंद्र हमेशा आस् था ही होता
है शरबत में मठास की तरज पर अपनी इसी आस् था के तहत शविराज सहि की भाजपा सरकार में पछिड़ा-क्त् याण और अल् पसंख् यक्क्त् याण
वकिस वभाग की मंत्री ललति यादव ने यह ववाह आयोजन किया था इस अनोखे आयोजन के तहत मेंढकी और मेंढकक ववाह होना था आपके बता
दें क लोकूरूढ़ियों और आस् था के अनुसार समय से बारशि न होने पर कई कई तरह के टोने-टोटके आयोजति किये जाते हैं इसमें से क परमुख टोटक है
मेंढक और मेंढकी की शादी करा देना

Written by मेरी बटिया संवाददाता

Saturday, 23 June 2018 17:14

तो मंत्री जी द्वारा इस आयोजन में बड़ी संख्या में जनता ही नहीं, बल्कि सरकारी लोग भी शामिल थे, झमाझम कार्यक्रम हो गया। वशिष्ठ वस्त्र बताते हैं कि स्थानीय पूजादेवी मंदिर में यह कार्यक्रम अभी चल ही रहा था कि अचानक हल्ला मच गया। दूल्हा का कतक और सड़क की ओर भागा, अचानक उसे एक अनजान मंदिर की दृष्टि में दोनों ही के साथ उचकने लगे, पुलिसवाले पीछे पड़े थे। बबली और बंटी के स्टूडेंट में दोनों ही लपककर एक बड़े नाले में कूद पड़े और उसके बाद वे किस सीवर या नाले गये, पता ही नहीं चला।

बाद में हताश मंत्री ललतिता यादव जी के आंखों से आंसू छलक पड़े। फिर फैसला किया गया कि उस मंदिर के भी उसी नाले में छोड़ कर वदिई के रस्ते में पूरी कर ली जाय।

हालांकि विवाह के बाद मंदिर-मंदिर की शादी की बात तो सभी मान रहे हैं। स्थानीय अखबारों ने भी इस पर खूब कगज रंगे हैं, लेकिन किसी भी अखबार में विवाह के दौरान मंदिर-दूल्हा हे राजा के रफूचकू कर हो जाने की खबर नहीं है। लेकिन इसके बावजूद ऐसे अंधविश्वास की डगर पर चल रही ललतिता यादव और उनकी सरकार इस समय कचरे में खड़ी हो गयी है।